Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

# क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 160 , 16 नवम्बर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

## सार समाचार

### मनी लांड्रिंग मामले में जमानत को असलम वानी कोर्ट पहुंचा

**नई दिल्ली।** कश्मीरी अलगाववादी शबीर शाह की संलिप्तता वाले एक दशक पुराने धन शोधन (मनी लांड्रिंग) के मामले में गिरफ्तार कथित हवाला डीलर मोहम्मद असलम वानी ने जमानत के लिए मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सिद्धार्थ शर्मा ने जमानत याचिका पर कल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। याचिका में उसने दावा किया कि 36 वर्षीय वानी को इस मामले में फंसाया गया है। याचिका में दलील दी गई है कि निचली अदालत के 2010 के फैसले में वानी को 2005 के आतंकी वित्तपोषण के आरोपों से मुक्त कर दिया था। 2005 के मामले के आधार पर ही मौजूदा मामला 2007 में दर्ज किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी 31 अक्तूबर को इसकी पुष्टि की थी। अधिवक्ता एमएस खान के मार्फत यह याचिका दायर की गई है। गौरतलब है कि निदेशालय ने सितंबर में वानी और शाह के खिलाफ एक आरोप पत्र दाखिल किया था। शाह की जमानत याचिका भी 22 अगस्त को खारिज कर दी गई थी। वानी को निदेशालय ने श्रीनगर से छह अगस्त को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरसत में है। वहीं, शबीर शाह को 26 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था।

### कार्डधारकों के घर राशन पहुंचाएगी सरकार

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने राशन घर तक पहुंचाने की योजना बनाई है। राशन की दुकान पर बायोमीट्रिक मशीन लगी होगी जो राशन कार्ड धारक को पहचानेगा व उसे निर्धारित मात्रा में राशन मिल जाएगा। यानि प्रत्येक दुकान पर राशन वेंडिंग मशीन लग जाएगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को राशन देने वाली मशीन का प्रजेन्टेशन देखा। इस बैठक में सभी मंत्री व मुख्य सचिव शामिल थे। बायोमीट्रिक मशीन पर राशन कार्ड धारक अपना अंगूठा लगाएगा जिससे बायोमीट्रिक मशीन राशन लेने वाले की पहचान कर लेगा व वेंडिंग मशीन को कमांड भेजेगा। इसके बाद राशन कार्ड धारक को राशन मिल जाएगा। इस पण्राली से राशन की चोरी बंद की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने खाद्य विभाग को राशन की डिलिवरी राशन कार्ड धारक के घर तक करने की व्यवस्था करने का आदेश दिया। इससे राशन कार्ड धारक को कहीं जाना नहीं होगा। राशन पहुंचाने के लिए किसी व्यक्ति को निर्धारित कर दिया जाएगा व राशन कार्ड धारक को घर पर राशन की सुविधा मिल जाएगी।

### कुलगाम में मुठभेड़ में एक जवान शहीद, आतंकी ढेर

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया। इसमें एक आतंकी भी मारा गया। सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकवाद निरोधी अभियान चलाया। सेना के सूत्रों ने बताया कि कुलगाम के नौबग कुंड गांव में आतंकियों के साथ गोलीबारी में एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल जवान की बाद में मौत हो गई। इस मुठभेड़ में एक आतंकी भी मारा गया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कुलगाम के नौबग कुंड गांव में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद आज सुबह घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। जब सुरक्षा बल अभियान चला रहे थे तब आतंकियों ने उन पर गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलवामा के त्राल स्थित लाम गांव में भी आतंकियों ने सुरक्षा बलों के एक दल पर गोलीबारी की जिसके बाद एक और मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकियों के एक ठिकाने का पता चला है और इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

### कम्प्यूटर में नए युग की शुरुआत करने वाला उपकरण ईजाद

**रुड़की।** उत्तराखंड में स्थित आईआईटी रुड़की ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है जो सुपर कम्पयूटर में एक नये युग की शुरुआत कर सकता है। मैग्नेटोइलैक्टिक रैंडम एक्सिस मेमोरी नाम की इस डिवाइस के लगभग सभी इलेक्ट्रानिक उपकरण जैसे स्मार्ट फोन, टैबलैट और बडे डाटा स्टोरेज में भविष्य में मेमोरी चिप्स में इस्तेमाल होने की पूरी संभावना है। आईआईटी रुड़की की टीम ने इस फोर स्टेट लाजिक की पहचान करने और उसे अलग करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर ली है। इस संबंध में रुड़की के भौतिकी विभाग और सेंटर फार नैनोटैक्नोलोजी की प्रोफेसर देवेंद्र कौर वालिया ने कहा, दुनिया तेजी से तीव्र, छोटी और क्वांटम तकनीकों की ओर बढ रही है।

## सजा हो सख्त:हाईकोर्ट

# झपटमारी को गंभीर अपराध की श्रेणी में डालने पर सरकार करे विचार,

**नई दिल्ली।** राजधानी में झपटमारी की वारदातों में बेतहाशा वृद्धि के मद्देनजर मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। इसमें हरियाणा की तर्ज पर झपटमारी को दिल्ली में भी गंभीर अपराध की श्रेणी में रखने की मांग की गई। सजा के प्रावधान को भी सख्त करने को कहा गया है। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है।

हाईकोर्ट ने इस बाबत दिल्ली सरकार को झपटमारी में सख्त सजा के प्रावधान पर विचार करने को कहा है। कार्यवाहक चीफ जस्टिस गीता मित्तल एवं जस्टिस सी हरीशंकर की पीठ ने अधिवक्ता प्रशांत मनचंदा द्वारा दायर याचिका पर 'आप सरकार, दिल्ली पुलिस एवं निगम निकायों से जवाब मांगा है। पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई 14 दिसंबर तय की है। सभी प्रतिवादियों को दस दिन के भीतर पक्ष रखने को कहा है।

**413 फीसदी झपटमारी बढ़ी**

जनहित याचिका में कहा गया है कि राजधानी में हर साल झपटमारी का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। हालात यह हैं कि इस वर्ष यह बढ़ोत्तरी 413 फीसदी रही है। प्रतिदिन 25 से 30 मोबाइल व इसके अलावा चैन व पर्स की झपटमारी हो रही हैं। इससे दिल्ली वाले परेशान हैं। कई वारदातें तो विदेशी पर्यटकों व राजदूतों के साथ भी हुई हैं।

**संगठित अपराध की श्रेणी में लाया जाए**

जनहित याचिका में कहा गया है कि जिस तरह से हथियार लेकर झपटमारी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। यह अपराध हत्या व अन्य गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसे मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध रोकथाम अधिनियम) के तहत लाया जाए। पांच से ज्यादा घटनाएं पाए जाने पर आरोपी पर मकोका लगाया जाए। दरअसल, कई ऐसे मामले में जिनमें झपटमारी में 70 से अधिक वारदातों को अंजाम देने वाले आरोपी पकड़े गए हैं।

**छिनैती को रोकने लिए हरियाणा का कानून**

379(ए): जबरन व बलपूर्वक किसी व्यक्ति या महिला से उसके सामान को छीनकर भागना व छीनकर भागने का प्रयास करना लूट की अवधारणा के तहत आता है। इस अपराध के साबित होने की स्थिति में कम से कम पांच वर्ष की सजा एवं अधिकतम दस वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा अभियुक्त पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया जाता है। 379(बी): जबरन एवं बलपूर्वक किसी व्यक्ति या महिला से उसके सामान को झपटना लूट के अपराध के तहत आता है। इस झपटमारी के दौरान पीड़ित के जख्मी होने पर यह और गंभीर माना जाता है। इस धारा के तहत आरोप साबित होने पर कम से कम दस वर्ष की सजा एवं अधिकतम 14 साल की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा अभियुक्त पर 25 हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है।

### उत्तराखंड में अब डॉक्टरों को नहीं मिलेगा वीआरएस

**देहरादून।** प्रदेश सरकार अब किसी भी डॉक्टर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नहीं देगी। सचिव स्वास्थ नितेश झा ने निर्देश दिए हैं कि राज्य में डॉक्टरों की भारी कमी को देखते हुए किसी भी डॉक्टर के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के आवेदन को मंजूर करने की सिफारिश नहीं की जाएगी। बता दें कि प्रदेश में जब भी किसी डॉक्टर का सुगम से दुर्गम में तबादला होता है तो उनमें से बहुत से डॉक्टर वीआरएस के लिए आवेदन कर देते हैं। ऐसे में उन्हें सेवानिवृत्ति के लाभ मिल जाते हैं लेकिन अब जब उनकी वीआरएस की अर्जी मंजूर ही नहीं होगी तो फिर तबादले पर नई तैनाती पर न जाने पर उनके खिलाफ निलंबन या बर्खास्तगी की कार्रवाई की जा सकेगी जिससे तबादला आदेश लागू करने में मदद मिलेगी। स्वास्थ सचिव निदेश झा ने सचिवालय में स्वास्थ विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में स्वास्थ एवं चिकित्सा सेवाओं के गुणवत्तापरक सुधार को लेकर बैठक की। उन्होंने स्वास्थ विभाग के अधिकारियों को अस्पतालों में चिकित्सकों व अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उपस्थिति अनिवार्य करने के लिए बायोमीट्रिक मशीनें

## 22 और 23 मई की हैं उक्त सीडी

# हार्दिक की चार और कथित सेक्स सीडी

**अहमदाबाद।** गुजरात में तेज होती चुनावी धमक के बीच पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) नेता हार्दिक पटेल के कल सोशल मीडिया पर जारी हुए एक कथित सेक्स वीडियो के बाद आज भी चार और ऐसे ही कथित वीडियो वायरल हुए हैं। यू ट्यूब और अन्य सोशल साइट्स पर जारी हुए इन वीडियो में से तीन की अवधि करीब 10-10 मिनट और एक की डेढ़ मिनट है। इनकी तिथि 22 और 23 मई दिखायी गयी है तथा यह मध्य रात्रि के बाद करीब सवा 12 बजे की हैं। इनमें कथित तौर पर हार्दिक अपने दो अन्य साथियों और एक युवती के साथ एक ही बिस्तर पर दिखायी दे रहे हैं। तीनो ने सिर मुंडा रखा है। पास के नेताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रोश जताने के लिए 21 मई को भावनगर के लाठीडाड में सामूहिक मुंडन कराया था। इनमें से एक वीडियो में शराब की बोतल भी नजर आ रही है। इससे पहले कल एक वीडियो जारी हुआ था जिसमें एक अन्य महिला के साथ हार्दिक को 16 मई को कथित तौर पर हमबिस्तर होते दिखाया गया था।

हार्दिक ने इन सेक्स सीडी को भाजपा का षडयंत्र करार देते हुए कहा है कि ये बनावटी हैं और इन्हें विदेश (बैंकाक) में बनाया गया है। हालांकि उनके एक पूर्व सहयोगी अश्विन पटेल ने इस बात को साबित करने की उन्हें चुनौती दी है।

ताजा वीडियो में हार्दिक कथित तौर पर उक्त युवती की गोद में सिर रखते हुए देखे जा सकते हैं। इसमें उन्हें तथा उनके दोनो साथियों को स्मार्टफोन पर कुछ देखते और बीच बीच में युवती से चुहल करते हुए देखा जा सकता है।

# सीबीआई ने किशोर के इंटरनेट सर्फिंग रिकॉर्ड को खंगाला

**नई दिल्ली।** सीबीआई 11वीं कक्षा के छात्र के इंटरनेट सर्फिंग रिकॉर्ड की जांच कर रही थी, जिसे गुड़गांव के रेयान इंटरनेशनल स्कूल में दूसरी कक्षा के छात्र की हत्या के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है।

उसकी सोच के बारे में जानने के लिए जांच एजेंसी ने ऐसा किया। सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने किशोर के आवास से कम्प्यूटर का एक हार्ड डिस्क, मोबाइल फोन और कुछ अन्य उपकरण जब्त किए थे, जिनकी विषय वस्तु का विश्लेषण किया जा रहा था ताकि उसकी सर्फिंग आदतों को समझा जा सके। इसका मकसद यह पता लगाना था कि 16 वर्षीय पियानो के छात्र ने पैरेंट-टीचर मीटिंग (पीटीएम) और परीक्षा टालने के लिए दूसरी कक्षा के छात्र की हत्या जैसा खतरनाक कदम क्यों उठाया। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने 28 सितम्बर को लड़के

**जांच एजेंसी ने किशोर के आवास से कम्प्यूटर का एक हार्ड डिस्क, मोबाइल फोन और कुछ अन्य उपकरण जब्त किए थे, जिनकी विषय वस्तु का विश्लेषण किया जा रहा था ताकि उसकी सर्फिंग आदतों को समझा जा सके। इसका मकसद यह पता लगाना था।**

के आवास पर छापेमारी की थी लेकिन इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी ताकि कोई कयास लगा सके कि वह मामले में मुख्य आरोपी के तौर पर उभर रहा है। किशोर के पिता ने कहा हार्ड डिस्क, एक मोबाइल फोन और कुछ अन्य गजट जब्त किये। उन्होंने कोई संकेत नहीं दिया कि वे उसकी भूमिका की जांच कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई उनके बेटे को फंसा रही है। उन्होंने कहा कि अगर किसी छात्र पर दोष मढ़ा जाएगा तो स्कूल प्रबंधन मुआवजा नहीं देगा लेकिन अगर स्कूल के किसी कर्मचारी पर दोष जाता है, तो स्कूल प्रबंधन को मुआवजा देना होगा। उन्होंने कहा, सीबीआई को पता नहीं है कि (स्कूल बस कंडक्टर) कहां है। उन नौ मिनट में वह कहां था? उन्होंने सीबीआई पर आरोप लगाए कि स्वीकारोक्ति के लिए वह उनके बेटे का उत्पीड़न कर रही है। उन्होंने कहा, सीबीआई मुख्यालय में जहां उससे पूछताछ की जा रही थी उस कमरे में मुझे नहीं जाने दिया गया। मुझे बाहर इंतजार करने के लिए कहा गया। वह 16 वर्ष का छात्र है जो एजेंसी को सच्चाई सामने लाने में मदद कर रहा है और अब वह आरोपी हो गया।

## मैराथन स्थगित करने की मांग की है

# हाफ मैराथन आयोजकों को कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद

**नई दिल्ल।** दिल्ली हाफ मैराथन को स्थगित करने संबंधी मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा नोटिस जारी होने के बावजूद आयोजकों ने मंगलवार को यहां कहा कि वे पूर्ण तयों के साथ अपने मामले को अदालत में रखेंगे और उन्हें उम्मीद है कि फैसला उनके पक्ष में होगा। न्यायालय ने भारतीय चिकित्सा संघ के उस पत्र पर संज्ञान लिया जो कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल को लिखा गया है।

इस पत्र में राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के खराब और असुरक्षित होने का हवाला देते हुए हाफ मैराथन स्थगित करने की मांग की गई है। न्यायाधीश एस रविंद्र भट और संजीव सचदेवा की खंडपीठ ने दिल्ली सरकार, पुलिस, प्रदूषण

### भारतीय चिकित्सा संघ ने न्यायधीश को वायु प्रदूषण का हवाला देकर हाफ

नियंतण्रपैनल डीपीसीसी और आयोजकों से इस मामले पर 16 नवम्बर तक जवाब मांगा है। उसी दिन मामले की अगली सुनवायी होनी है।

कार्यक्रम के आयोजक प्रोकैम इंटरनेशनल के प्रमुख ने कहा कि वे जोर-शोर से इसकी तैयारी में लगे हुए हैं और उन्हें उम्मीद है कि वे अदालत को अपने पक्ष से संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे। प्रोकैम के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा,''हमें अभी कोई नोटिस नहीं मिला है, लेकिन हम अपने पक्ष को सभी तयों के साथ रखेंगे कि हमारे पास क्या है और हम क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इसकी तैयारी में जो संवेदनशीलता दिखा रहे हैं उससे अदालत संतुष्ट होगी। उन्होंने कहा,'' यह भागीदारी का खेल है दर्शकों का नहीं, पिछले चार महीने से इसकी तैयारी चल रही है और हमने काफी कुछ किया है। इस दौड़ के लिए खिलाड़ियों ने काफी मेहनत की है।

मेरे लिए इसे स्थगित करना व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि इसमें दुनिया के कई बड़े खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके स्थगित होने से चैरिटी के लिए जमा की जा रही राशि भी प्रभावित होगी। दिल्ली हाफ मैराथन से अभी तक पांच करोड़ रपए जुटाए गए हैं।

# दिल्ली में हैलीकॉप्टर से बारिश का विकल्प

**नई दिल्ली।** दिल्ली वायु प्रदूषण से जूझ रही है। ऐसे में हेलिकॉप्टर और हवाई जहाज का इस्तेमाल कर कृत्रिम बारिश करने के विकल्प की मांग तेज हो गयी है.। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस विकल्प का समर्थन किया है। रक्षा जानकार मानते हैं कि दिल्ली में धूल और धुएं की चादर से निपटने के लिए हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जा सकता है. अमेरिका समेत कई देशों में कृत्रिम बारिश का इस्तेमाल होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका में इसके लिए एमआई 8 हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल होता है जो एक बार में 570 यूएस गैलन पानी का छिड़काव कर सकता है. इसके अलावा एटी 1002 हवाई जहाज का भी इस्तेमाल होता है जो एक बार में 1000 यूएस गैलन पानी का छिड़काव कर सकता है। इसके साथ ही इस काम में एस 2 ट्रैकर और डीजी 6 हवाई जहाज का भी इस्तेमाल होता है।

**उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र**

शहर का बड़ा हिस्सा उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र आता है ऐसे में हैलीकॉप्टर से छिड़काव करना आसान नहीं है। दक्षिणी और पश्चिमी दिल्ली भी उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र है वहीं नई दिल्ली जिला भी उड़ान प्रतिबंधित है। एटीसी के गुरुचरन भटूरा ने कहा कि दिल्ली में यह बेहद मुश्किल है कि विमान उड़ान रोक्रकर विमानों से छिड़काव किया जाए।

**यमुना नदी से कर सकते हैं छिड़काव**

रक्षा जानकार का कहना है कि दिल्ली में हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज की मदद से पानी छिड़काव करना हो तो इसके लिए यमुना नदी और आसपास की झीलों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

**यह है तकनीक**

कृत्रिम बारिश कराने के लिए कई जगह हेलिकॉप्टर तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि रॉकेट के मुकाबले यह तकनीक थोड़ी महंगी है. इसके अलावा रॉकेट तकनीक में सफलता की संभावना जहां 80 फीसदी है वहीं हेलिकॉप्टर तकनीक में कम है. कृत्रिम बारिश करवाने के लिए छोटे आकार के रॉकेट नुमा यंत्र में केमिकल भर कर आकाश में दागे जाते हैं।

## 30 लाख दस्तकारों-शिल्पकारों को बाजार मुहैया कराना है लक्ष्य : नकवी

# दुनिया में आकर्षक निवेश स्थल के रूप में बनी है भारत की पहचान : कोविंद

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए ''हुनर हाट' को काफी सफल बताते हुए कहा कि उनका मंत्रालय देश के 25 से 30 लाख दस्तकारों, शिल्पकारों और कारीगरों को इस कार्यक्र म से जोड़कर मार्केट और मौका उपलब्ध कराना चाहता है। नकवी यहां प्रगति मैदान में शुरू हुए भारतीय अंतरराष्ट्रीय मेले में ''हुनर हाट' पवेलियन के उद्घाटन अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि हम 25 से 30 लाख दस्तकारों, शिल्पकारों, कारीगरों और बावर्चियों को इस कार्यक्र म से जोड़ना चाहते हैं ताकि उनको मार्केट और मौका मिल सके । उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जा रहे हुनर हाट देश भर के हजारों हुनर के उस्ताद कारीगरों, दस्तकारों, शिल्पकारों और खानसामों को रोजगार और रोजगार के अवसर के साथ-साथ राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय बाजार मुहैया कराने का सफल मिशन साबित हुए हैं। हुनर हाट में देश के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों से अल्पसंख्यक समुदाय के 130 से अधिक कारीगर, दस्तकार, शिल्पकार भाग ले रहे हैं। इनमें लगभग 30 महिला दस्तकार भी शामिल हैं। जीएसटी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लगाया जीएसटी मंडप जीएसटी के बारे में जानकारी देने के लिए ट्रेड फेयर में जीएसटी मंडप लगाया गया है, जहां पर जीएसटी के बारे में यहां आने वाले दर्शकों को रोचक तरीके से जानकारी दी जा रही है। इस मंडप का शुभारंभ मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम (सीबीईसी) के चेयरमैन वंजना एन सरना द्वारा किया गया। इस मौके पर सरना के अलावा जीएसटी के चीफ कमीश्नर सुश्री अर्चना पाण्डे तिवारी, मेंबर ऑफ एडमिन सीबीईसी एस रमेश सहित कई विभाग के कई आला अधिकारी मौजूद थे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रगति मैदान में मंगलवार से शुरू हुए 37वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (ट्रेड फेयर) का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज दुनिया में भारत की पहचान एक आकर्षक निवेश स्थल के रूप में बनी है और भारत में व्यावसायिक परिवेश में हुए सुधार को दुनिया ने मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मेले से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। इस मौके पर उन्होंने एक जुलाई से देश में लागू हुए जीएसटी का भी जिक्र करते हुए कहा कि इसके लागू होने से राज्यों के बीच की बाधायें समाप्त हुई हैं। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति कोविंद की पत्नी सविता कोविंद, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु, वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सीआर चौधरी, झारखंड के शहरी विकास एवं अवास मंत्री सीपी सिंह तथा भारत में वियतनाम और किरगिस्तान के राजदूत समेत इंडिया ट्रेड प्रमोशन आर्गनाइजेशन (इटपो) के सीएमडी एलसी गोयल उपस्थित थे।

देश में जारी आर्थिक सुधारों को महत्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इनका मकसद देश से गरीबी दूर करना और लाखों लोगों की समृद्धि बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि व्यापार को आम आदमी के हित का माध्यम बताते कहा कि देश में आर्थिक सुधारों का उद्देश्य गरीबी दूर करना और समृद्धि बढ़ाना है। उन्होंने ट्रेड फेयर को लघु भारत का स्वरूप बताते हुए कहा कि इस मेले में देश की विविध संस्कृति और व्यापारिक गतिविधियों की झलक मिलती है। उन्होंने जीएसटी लागू किए जाने से राज्यों के बीच बाधाएं दूर होने की बात कही। उन्होंने कहा कि जीएसटी का लागू होना एक अहम उपलब्धि है। इससे राज्यों के बीच व्यापार की बाधाएं समाप्त हुई हैं। इससे देश में एक साझा बाजार बना है और आर्थिक गतिविधियों को औपचारिक तंत्र में लाने में मदद मिली है। इससे विनिर्माण क्षेत्र को भी मजबूती मिली है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश में शुरू किए गए सुधारों और कारोबार सुगमता से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का आंकड़ा जो कि 2013-14 में 36 अरब डालर रहा था वर्ष 2016-17 में बढ़कर 60 अरब डालर पर पहुंच गया। सरकार की विभिन्न पहल मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, स्किल इंडिया और स्मार्ट सिटीज का जिक्र करते हुये कहा कि इन कदमों का मकसद आर्थिक सुधारों को आम आदमी के लिये अधिक सार्थक बनाना है।

इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि निर्यात में तेजी लाने के उद्देश्य से विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) की मध्यकालिक समीक्षा जल्द जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय निर्यात के मामले में अलग-अलग देश के हिसाब से रणनीति तैयार करने पर काम कर रहा है। प्रभु ने कहा कि हम अपना निर्यात बढ़ाना चाहते हैं लेकिन इसके साथ ही आयात को हतोत्साहित नहीं करेंगे। हम भारत की सकल आर्थिक वृद्धि और अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने पर जोर देंगे। प्रभु ने कहा कि पिछले कई सालों से प्रदर्शनी स्थल के रूप में विख्यात हो चुके प्रगति मैदान को नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। दो साल में यह नए रूप में बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां विश्वस्तरीय प्रदर्शनी हॉल और सम्मेलन कक्ष बनाए जाएंगे। व्यापार मेले में स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैण्ड-अप इंडिया मंडप का उद्घाटन करते हुए प्रभु ने कहा कि स्टार्ट अप इंडिया आज वास्तविकता बन चुका है। इस समय देश में 20,000 से अधिक स्टार्ट अप काम कर रहे हैं। इस बार मेले का थीम ''स्टार्ट अप इंडिया- स्टैण्ड अप इंडिया' रखा गया है। मेला 14 से 27 नवंबर तक चलेगा। पहले चार दिन केवल कारोबारी दर्शकों के लिए रखे गए हैं। इस बार मेला 52,000 वर्गमीटर क्षेत्र में ही आयोजित किया जा रहा है। शेष इतने ही क्षेत्र में पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है। फेयर में 3,000 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं।

जितना दिखाते हो उससे अधिक तुम्हारे पास होना चाहिए; जितना जानते हो उससे कम तुम्हें बोलना चाहिए -शेक्सपियर

## ''प्रदूषण से आपातकाल'

गंभीर मसला प्रदूषण पीड़ित राज्यों के सतही और नजरअंदाज करने के व्यवहार का है। इससे हर कोई हलकान है जबकि ''प्रदूषण से आपातकाल' जैसे हालात हैं। लेकिन दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारें अपने जाहिलपन से बाज नहीं आ रहीं। सुप्रीम कोर्ट की तरफसे अपरिहार्य कदम तत्काल उठाये जाने की बार-बार की चेतावनियों के बावजूद। आज अगर प्रदूषण बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है और हालात सुधरने के बजाय बदतर होते जा रहे हैं तो इसमें सियासत की काहिली जिम्मेदार है,जो बड़ी सफाई से जन विरोध की ओट में अपने को छिपा ले जाती है। इसके विपरीत, इस बारे में बिना किसी भेदभाव और राजनीति के ही आगे बढ़ना है। लेकिन संबद्ध राज्यों के मुख्यमंत्री सतही राजनीति से बाज नहीं आ रहे हैं। कोई किसी के राज्य में आकर बैठक का राग छेड़ता है तो कोई चिट्ठी लिखकर मुलाकात का ढकोसला करता है। जनता का दम घुट रहा है, लेकिन नेताओं को बयानबाजी से फुर्सत नहीं है। क्या ऐसे प्रयासों से यह मुश्किल जंग जीती जा सकती है? वैसे इसमें एकल प्रयास का कोई मतलब नहीं है। समन्वित हो तो उसका कोई नतीजा भी निकले। इसके बजाय हर कोई इसका ठीकरा दूसरों पर फोड़ रहा है। दरअसल, मसला इस वजह से ज्यादा संश्लिष्ट हो गया है कि शुरुआत से ही हर किसी ने प्रदूषण को हल्के में लिया। यहां तक कि पराली जलाने वाले किसानों को समझाने या उनके खिलाफ सख्ती बरतने तक से गुरेज किया गया। इससे हालात भयावह होते चले गए कि यह प्रश्न सबसे बड़ा हो गया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को इस दमघोटू वातावरण से कैसे निजात दिलाई जाए? अब किसी को इसका हल नहीं सूझ रहा है। कोई पराली जलाने को प्रदूषण की वजह बता रहा है तो कोई डीजल गाड़ियों को तो कोई ऑड-ईवन स्कीम लागू न करने को। इसमें इस तय की सिरे से अवहेलना है कि स्वच्छ और शुद्ध हवा जिंदगी की बुनियादी व मौलिक आवश्यकता है। हर साल लाखों लोगों की जान प्रदूषण लील जाता है। ऐसे में जीवन प्रत्याशा कैसे बढ़ेगी? फिर विश्व में सबसे ज्यादा युवा शक्ति वाला देश होने का गुमान कितना क्षणजीवी होगा जब हमारे नौनिहाल व युवक असाध्य बीमारियों के शिकार हो जिंदा लाश हो जाएंगे। समस्या कहती है, इस क्षण से ही नतीजे देने वाली योजनाओं पर सोचना शुरू करो। संकीर्ण सियासत छोड़ कर उस पर अमल करो।

## रोजगार आरक्षण की मांग

उद्योग चैंबर एसोचैम का मानना है कि निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करने से देश में निवेश के माहौल पर विपरीत असर पड़ेगा। नोटबंदी तथा आधे-अधूरे जीएसटी की मार से पहले ही जूझ रही अर्थव्यवस्था के लिए यह एक घातक कदम होगा। उद्योग चैंबर के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था अभी विकास के पथ पर फिर से अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही है। लिहाजा, इस वक्त निजी क्षेत्र में आरक्षण जैसा कोई भी राजनीतिक संदेश इसे करारा झटका दे सकता है। साथ ही, विश्व बैंक द्वारा भारत में व्यवसाय करने की सुगमता को लेकर हाल में जताई गई आशावादिता पर भी इससे कुठाराघात हो सकता है। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं समेत कई राजनीतिक दलों ने हाल ही में निजी क्षेत्र में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातीयों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार आरक्षण की मांग की है। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख राम विलास पासवान ने हाल ही में इसकी मांग की थी। ऐसी ही मांग कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पिछले साल की थी कि आरक्षण के दायरे को विस्तारित कर इसे निजी क्षेत्र तक बढ़ा दिया जाना चाहिए। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि देश का विकास जिसमें आर्थिक और सामाजिक दोनों ही विकास शामिल हैं, के लिए आवश्यक है कि समाज के सभी वगरें को साथ लाया जाए। खासकर आर्थिक रूप से पिछड़े एवं वंचित लोगों को बगैर साथ लाए और उन्हें जोड़े, देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। इन पिछड़े-वंचित लोगों को समुचित रूप से कौशल विकास, प्रशिक्षण, जरूरी व्यावसायिक शिक्षा मिले, जिनसे वे खुद से अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ बन सकें, न कि हमेशा आरक्षण के मोहताज बने रहें। अभी देश में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक और निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार सृजित किए जाने की आवश्यकता है। और सरकार को अपना ध्यान उस पर केंद्रित करना चाहिए, न कि नियंतण्र और घरेलू निवेशकों को गलत संदेश देना चाहिए। उद्योग चैंबर एसोचैम ने ताकीद की है कि अगर राजनीतिक दलों ने वोट की राजनीति के चक्कर में इस प्रकार के लोक-लुभावन वादे किए तो इसका बहुत बड़ा खमियाजा देश की अर्थव्यवस्था को भुगतना पड़ सकता है।

# सरकार की कश्मीर नीति

**सरकार ने तय किया कि कश्मीर पर पाकिस्तान से बात नहीं करेंगे। फिर कश्मीरी आतंकी गुटों के विरुद्ध कठोर योजना बना कर उनकी घेराबंदी करने का निश्चय किया। सुरक्षा बलों को पहली बार कश्मीरी आतंकवाद के बारे में अपनी जमीनी नीति तय करने की छूट दी गई। उस छूट का सुरक्षाबलों ने भरपूर उपयोग किया। नतीजा हुआ कि अब आतंकवादी गुटों के लिए अपना कमांडर घोषित करना भी कठिन हो गया है क्योंकि घोषणा के कुछ दिनों में ही उसके मारे जाने का समाचार मिल जाता है। जब आतंकवादी पस्त हुए तो सरकार को एक वार्ताकार भेजने की सूझी।**

सतीश पेडणोकर

भारत पाकिस्तान को पानी छोड़ना बंद कर दे। या, वे धमकी दे सकते हैं कि अगर अनुच्छेद 35ए के साथ छेड़छाड़ की गई तो कश्मीर में ऐसे हालात पैदा होंगे जिनसे कि लोग अमरनाथ विवाद के समय की बगावत को भी भूल जाएंगे। न तो भारत सरकार का कोई प्रस्ताव था कि पाकिस्तान को पानी बंद कर दिया जाएगा और न ही सरकारी तौर पर अनुच्छेद 35ए को चुनौती देने की कोई कार्रवाई हुई थी। लेकिन अनावश्यक कितनी भी हों, डॉ अब्दुल्ला के बयानों से खलबली तो मचती ही है। जितनी कश्मीर में मचती है, उससे कहीं अधिक दिल्ली में होती है। नरेन्द्र मोदी सरकार की कश्मीर नीति बहुतों की समझ में नहीं आती तो उनकी समझ में भी नहीं आती है।

पहले सरकार ने तय किया कि कश्मीर पर पाकिस्तान से बात नहीं करेंगे। फिर कश्मीरी आतंकी गुटों के विरुद्ध कठोर योजना बना कर उनकी घेराबंदी करने का निश्चय किया। सुरक्षा बलों को पहली बार कश्मीरी आतंकवाद के बारे में अपनी जमीनी नीति तय करने की छूट दी गई। उस छूट का सुरक्षाबलों ने भरपूर उपयोग किया। नतीजा हुआ कि अब आतंकवादी गुटों के लिए अपना कमांडर घोषित करना भी कठिन हो गया है क्योंकि घोषणा के कुछ दिनों में ही उसके मारे जाने का समाचार मिल जाता है। जब आतंकवादी पस्त हुए तो सरकार को एक वार्ताकार भेजने की सूझी, वह भी ऐसा व्यक्ति जिसे पहले से जम्मू-कश्मीर में खुफिया ब्यूरो तंत्र का अनुभव है, जो आतंकवादियों और उनके संपकरे के बारे में सब कुछ जानते हैं। यानी एक पुलिसवाले को सुलह-मशविरा करने के लिए भेज दिया है। ऐसे हालात में जब राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अलगाववादियों के विदेशी आर्थिक स्रेतों को बंद कर दिया हो, दिनेश्वर शर्मा को वार्ताकार बनाना, कश्मीर नेताओं को उलझन में डाल रहा है कि वे इसे वार्ता मानें कि तफ्तीश। अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर में स्थाई शांति के लिए बिना पाकिस्तान को शामिल किए कोई हल नहीं निकल सकता है। लेकिन पाकिस्तान को वार्ता में शामिल भी किया जाए तो क्या हल निकल आएगा? अब तक पाकिस्तान के साथ बीसियों बार बातचीत हो चुकी है।

मोदी सरकार के दौरान भी शिखर वार्ताएं हुई हैं। लेकिन क्या कोई स्थाई समझौता हुआ? इसके विपरीत, हालात अधिक जटिल हो गए। हिंसा का माहौल अधिक तीव्र हो गया। उसका सीधा-कारण है कि पाकिस्तान पूरे कश्मीर या अधूरे कश्मीर, किसी पर भी स्पष्ट रूप से जो दावा करता है, वह भारत को स्वीकार नहीं हो सकता है। पाक पूरे कश्मीर पर दावा करता है और भारत भी पूरे कश्मीर को भारत का अंग मानता है। ऐसे में हमें प्रतीक्षा करनी होगी, जब तक कि भारत और पाकिस्तान में स्थाई दोस्ती नहीं होती।

पाकिस्तान के साथ दोस्ती के मार्ग में केवल कश्मीर ही नहीं, वह क्षेत्रीय संतुलन भी हैं जो पाकिस्तान के कारण बिगड़ चुका है और जिससे पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र का परिदृश्य असुरक्षित हो गया है। इसका अहसास डॉ अब्दुल्ला को है, इसलिए उन्होंने कहा है कि जो पीओके है, वह पाकिस्तान का भाग है, जैसे शेष कश्मीर भारत का भाग माना जाता है। अगर पूरे कश्मीर पर बातचीत करनी है तो पीओके के बारे में पाकिस्तान को साथ रखना आवश्यक है। उन्होंने यह भी दलील दी कि कश्मीर तीन बड़े देशों से घिरा है, जो शक्तिशाली परमाणु शक्तियां हैं-भारत, चीन और पाकिस्तान। यह स्वतंत्र देश नहीं रह सकता है। उसे लगातार सुरक्षा की समस्याओं से जूझना पड़ेगा। इसलिए विकल्प तो दो ही हैं-भारत और पाकिस्तान। स्वाभाविक है फारूक के इन विचारों से राष्ट्रवादी गुटों में भी और पाक समर्थक गुटों में भी खलबली मच गई है। पीओके को पाकिस्तान का भाग बताने के लिए उनकी तीखी आलोचना हुई है तो स्वतंत्र कश्मीर के विकल्प को खारिज करने के लिए सईद अली शाह गिलानी भी भड़क उठे हैं। लेकिन अगर उनके इन बयानों को व्यावहारिकता के आधार पर जांचा जाए तो तर्कसंगत कहा जा सकता है। सदा के लिए न सही तो तात्कालिक रूप से पाकिस्तान का अधिकृत क्षेत्र पाकिस्तान ही माना जाएगा। वहां उसी देश की हुकूमत और कानून चलते हैं। गिलानी लाख कहें कि आजाद कश्मीर तीसरा विकल्प है, पाकिस्तान ने दशकों पहले इस विकल्प को खारिज कर दिया था। जेकेएलएफ के अवसान का कारण ही यही था कि वह कश्मीर की स्वतंत्रता की वकालत करता था और पाकिस्तान को स्वतंत्र कश्मीर कभी स्वीकार ही नहीं था। लेकिन अब्दुल्ला कश्मीर को केवल कश्मीर घाटी मान कर सोचते रहे हैं। यही विसंगति अन्य कश्मीरी नेताओं की भी है। जम्मू-कश्मीररियासत अफगानिस्तान की सीमाओं

तक फैली थी। और पारंपरिक व्यापार मार्ग जिसे आज चीन ने हथिया कर अपने विकास का राज मार्ग बन दिया है, उसीका हिस्सा था। गिलगित और आसपास के रजवाड़ों का पाक के कब्जे में जाने से पूरे पश्चिमी क्षेत्र के सामरिक-आर्थिक गलियारे पर पाकिस्तान का कब्जा हो गया और अब वही चीन के अधिकार में आ गया है। उससे पूर्व-पश्चिम के बीच के संपर्क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। डॉ. अब्दुल्ला के लिए इनका कोई मायने नहीं होगा, लेकिन भारत जैसे देश के लिए तो वर्तमान और भविष्य दोनों दृष्टियों से ये अहम है। अंग्रेज गिलगित एजेंसी बनवा कर अपने साम्राज्य की सुरक्षा निश्चित करवाना चाहते थे तो क्या भारत जैसे विकासमान राष्ट्र के लिए अपनी स्वाभाविक सीमाओं की अनदेखी की जा सकती है? जो भूल हमने स्वतंत्रता के तुरंत पश्चात की थी, उसे भविष्य के लिए भी भाग्यरेखा मान कर चुप नहीं बैठा जा सकता है। अब्दुल्ला के ताजा कथन के बारे में इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि इतिहास में हर सदी में नये देश बने हैं, पुराने गायब हो गए हैं। ऐसा कुछ अपनी ही विसंगतियों के कारण होता है तो कुछ युद्धों के कारण भी। बांग्लादेश का जन्म ताजा घटना है। केंद्र के वार्ताकार कश्मीर की जनता की शिकायतों और मुश्किलों को समझने के लिए गए हैं। डॉ अब्दुल्ला को उनसे कुछ नहीं कहना है। लेकिन राजनीति तो करनी ही है। उनके बयान अक्सर फुलझड़ी की तरह होते हैं, जो अंधेरे में कुछ क्षण चमकती तो है, लेकिन क्षण बीत जाने पर पता ही नहीं चलता कि वहां कुछ हुआ भी था कि नहीं।

## चलते चलते

### दर्द का घर,

**मेरी गजल है, ''ये घर है दर्द का घर, परदे हटा के देखो, गम हैं हंसी के अन्दर, परदे हटा के देखो। चिड़ियों का चहचहाना, पत्तों का सरसराना, सुनने की चीज हैं पर, परदे हटा के देखो।' अचानक चिड़ियों का चहचहाना सुनाई नहीं दिया तो परदे हटाकर देखा। चिड़ियां गायब! मालूम है चचा, कुमार गंधर्व को डॉक्टरों ने गाने से मना कर दिया था।-मालूम ऐ! उनैं फैंफड़न की टीबी है गई!-हां, जीवन से निराश थे! सन नव्वै में डॉ. मुकेश गर्ग ने उनका लंबा साक्षात्कार लिया था।**

चेहरा की चमक और चिड़िया की चहक कहां गई रे?-सब धुधुधू की मेहरबानी! धुआं, धुंध और धूल! फिर भी मुस्कान बनाए हुए हैं। मेरी गजल है, ''ये घर है दर्द का घर, परदे हटा के देखो, गम हैं हंसी के अन्दर, परदे हटा के देखो। चिड़ियों का चहचहाना, पत्तों का सरसराना, सुनने की चीज हैं पर, परदे हटा के देखो।' अचानक चिड़ियों का चहचहाना सुनाई नहीं दिया तो परदे हटाकर देखा। चिड़ियां गायब! मालूम है चचा, कुमार गंधर्व को डॉक्टरों ने गाने से मना कर दिया था।-मालूम ऐ! उनैं फैंफड़न की टीबी है गई!-हां, जीवन से निराश थे!

सन नव्वै में डॉ. मुकेश गर्ग ने उनका लंबा साक्षात्कार लिया था। कुमार गंधर्व ने उन्हें बताया कि लेटे-लेटे उन्होंने पंखे पर बैठी एक चिड़िया को देखा जो पूरा दम लगाकर गा रही थी। उन्होंने सोचा छोटी-सी चिड़िया, नन्हां सा फेफड़ा! फिर भी आवाज दूर तक जा रही है। मेरे फेफड़े क्षयग्रस्त लेकिन बड़े हैं, मैं गाऊंगा। पूरी लगन से एक नया राग बनाया, ''लगन गांधार'। कोमल और तीव्र ''गा' के बीच एक और ''गा' लगाकर पूरी ताकत से गाया, ''सुध ना रही मोय बाजे ले मोरा झांझरवा।' कंठ भी ठीक हुआ, फेफड़े भी ठीक हुए। हम भी ठीक हो सकते हैं चचा! चिड़ियां वापस आ सकती हैं। लेकिन सुध तो रखें कि करना क्या है!

मन आया तब सम-विषम लागू कर दिया, मन आया छोड़ दिया। एक मुख्यमंत्री कहते हैं कोई संगठन या सरकार वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं कर सकती। एक दूसरे से मिल नहीं रहे। कूड़े और अहंकार के टीले प्रसन्न हैं।

मैं सोचता हूं कि फौज क्या सिर्फयुद्ध के लिए हैं। चीनी सामान भले ही खरीदो, पर उनका ज्ञान तो लो।

वहां प्रदूषण समाप्त करने के लिए सेना के हैलीकॉप्टर महानगरों पर बरसात करते हैं। पर इन्हें कोई सुध नहीं है। इनकी झांझरवा अपने स्वार्थो के लिए बज रही हैं। कुछ तत्काल करो भाई! मैं परदे खोल कर देखना चाहता हूं चिड़ियों का चहचहाना। उनकी चहक वापस आएगी, तभी तो हमारे चेहरों पर चमक आएग

## मुद्दा

### व्यायाम

भारतीय सिनेमा को एकजुट हो जाना चाहिए ताकि संविधानेतर उन छुटभैय्या तत्वों का कारगर तरीके से सामना किया जा सके जो फिल्मों की रिलीज रोकने की धमकी देते हैं। सुपर सेंसर की आखिर, हमें दरकार क्यों है? राजस्थान के शिक्षा विभाग की एक पत्रिका है शिविरा। इसमें हाल में प्रकाशित एक सलाह महिलावादी संगठनों के निशाने पर है। स्कूली शिक्षकों के लिए प्रकाशित इस पत्रिका के ताजा अंक में एक जगह सलाह दी गई है कि महिलाएं चक्की पीसने, बिलौना बिलोने (यानी मक्खन को मथना), पानी भरने और घर में झाड़ू-पोंछे जैसे काम खुद करें तो ये कामकाज दैनिक व्यायाम के अच्छे विकल्प हो सकते हैं। लेकिन महिलाओं को संबोधित इस सलाह को महिलावादी संगठनों और विचारकों ने पत्रिका की सलाह को महिला विरोधी और लैंगिक भेदभाव से प्रेरित बता दिया है। बेशक, घरेलू कामकाज को सिर्फ महिलाओं तक सीमित करने का प्रयास आलोचना का केंद्र हो सकता है, लेकिन यदि यह देखा जाए कि आज हमारे देश की कस्बाई और शहरी महिलाओं को शारीरिक श्रम के कितने मौके मिल रहे हैं, तो ऐसी सलाहें महिलाओं की सेहत के लिए उपयुक्त प्रतीत होती हैं। हम जिस आधुनिक जीवनशैली पर इतना इतरा रहे हैं, उसके बारे में सच यह है कि उसने पूरे समाज को आरामतलब बना दिया है। हालात ये हैं कि संक्रमण से होने वाली बीमारियों से कहीं ज्यादा लोग जीवनशैली की वजह से पैदा हुई बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। देह को श्रम से दूर करने की हर कोशिश दिल, फेफड़े, मधुमेह, अवसाद और मोटापे जैसी बीमारियों के रूप में सामने आ रही है, लेकिन दुर्भाग्य है कि लोग बिना यह जाने अपनी आधुनिक जीवनशैली का जश्न मना रहे हैं कि वह कितनी घातक है। दुनिया में होने वाली 50 लाख मौतों को इस किस्म की निष्क्रिय जीवनशैली से जोड़ा जा सकता है। भारत का किस्सा इससे अलग नहीं है। देश में शहरों के विस्तार और आधुनिक जीवनशैली से जुड़ीं सुख-सुविधाओं पर हम चाहे जितना इतराएं, लेकिन इनका कड़वा पहलू यही है कि दिनोंदिन बढ़ती आरामतलबी जान की मुसीबत बन रही है। यह किस्सा कितना खतरनाक रूप ले रहा है-इसका एक आकलन जीबीडी-2010 रिपोर्ट (ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज, इंज्युरीज एंड रिस्क फैक्टर्स) के आधार पर कुछ साल पहले किया गया था। दरअसल, जीबीडी-2010 यूनिवर्सटिी ऑफ वॉशिंगटन स्थित इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मीट्रिक्स एंड इवैल्युएशन (आईएचएमई) का एक प्रोजेक्ट है। इस रिपोर्ट में मुख्य रूप से बताया गया था कि दोषपूर्ण जीवन शैली की वजह से पूरी दुनिया समेत भारत में भी दिल और फेफड़े की बीमारियों, डायबिटीज, स्ट्रोक्स और डिप्रेशन का खतरा बढ़ता जा रहा है। समस्या कस्बाई, शहरी लड़कियों और महिलाओं के लिए है, खानपान के साथ जिनकी दिनर्चया में आमूलचूल परिवर्तन आया है। शहरी की तरह ग्रामीण-कस्बाई स्त्रियों के जीवन में भी टीवी, इंटरनेट, मोबाइल फोन ने घुसपैठ कर ली है, जिसने घर के बाहर की उनकी गतिविधियों पर विराम लगा दिया है। बदलती जीवनशैली का एक प्रभाव खानपान पर भी हुआ है। शहरों में ही नहीं, गोंडा-बहराइच जैसे कस्बों में भी पिज्जा-चिप्स-बर्गर जैसे खानपान तेजी से प्रचलन में आए हैं, और भारतीय शैली के वे खानपान हाशिये पर चले गए हैं, जो आसानी से पच कर ऊर्जा में बदल जाते थे। शरीर पर अतिरिक्त चर्बी नहीं बढ़ाते थे। वैसे तो आज अपनाई जा रही जीवनशैली वक्त की मांग कही जा सकती है क्योंकि न तो शहरों में अब एसी बसों-कारों-मेट्रो जैसे यातायात साधनों से पीछे हटा जा सकता है, और न ही टीवी-मोबाइल-कंप्यूटर घर की साफ-सफाई से लेकर कई घरेलू काम ऐसे हैं, जो मशीनों और सहायकों के जिम्मे न छोड़कर खुद किए जाएं तो शारीरिक श्रम की जरूरत की भरपाई करते हैं। खराबी शहरी सुख-सुविधाओं को अपनाने में नहीं, बल्कि दिनर्चया को उनके हवाले छोड़कर निष्क्रियता की जीवनशैली अपनाने में है।

## सरकारी स्कूल बने प्रयोग शाला,छात्र वहीं के वहीं

आभा स्वामी

परीक्षा परिणाम बढ़ाने की जोड़-तोड़ में स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों को प्रयोगों की पाठशाला बना दिया है। स्थिति यह है कि इन योजनाओं से न तो परिणाम बढ़ा और न ही शिक्षा की गुणवत्ता में कोई उल्लेखनीय बदलाव आया। इन पर लाखों रुपए जरूर खर्च कर दिए गए।

यही नहीं, जिन नई योजनाओं को विभाग लागू करने जा रहा है, उनकी तैयारी भी अधूरी है। सरकारी स्कूलों में यह स्थिति बरसों से चली आ रही है। अधिकारी बदलते गए और नई-नई योजनाएं लागू करते गए। अब शिक्षक भी यह कहने लगे हैं कि पिछले चार-पांच सालों में इतने प्रयोग कर दिए गए कि अब यही समझ नहीं आता कि आगे क्या करना है। केवल कागजी खानापूर्ति करना ही महत्वपूर्ण हो गया है। जो जितनी अच्छी रिपोर्ट बनाएगा उसके काम को उतना बेहतर माना जाएगा। अधूरी तैयारी के बीच इसी साल शुरू होगा 'बेस्ट ऑफ फाइव : हाईस्कूल का परिणाम सुधारने के लिए 'बेस्ट ऑफफाइव योजना शुरू होने जा रही है।

इसे पिछले साल ही शुरू किया जाना था लेकिन अधूरी तैयारियों की वजह से अधर में लटक गई थी। इसमें दसवीं के छह विषयों हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, संस्कृत और सामाजिक अध्ययन में जिन पांच विषयों में सबसे अच्छे अंक आएंगे केवल उन्हें परिणाम में जोड़ा जाना है। यानि अगर छात्र एक विषय में फेल भी हो गया तो भी उसे पास माना जाएगा। छठवां विषय जिसमें छात्र के न्यूनतम अंक होंगे उसे परिणाम में शामिल नहीं किया जाएगा। नौवीं के लिए ही तैयारी अधूरी : बेस्ट फाइव योजना को नौवीं में भी लागू किया जाना है।

इसमें तिमाही और छमाही परीक्षा के 10-10 प्रतिशत और वार्षिक परीक्षा के 60 प्रतिशत अंक जुड़ेंगे। बालसभा और सीसीई गतिविधियों के 20 प्रतिशत अंक भी दिए जाएंगे। लेकिन, सचाई यह है कि स्कूलों में न तो नियमित बालसभा हो रही है और न ही कैलेंडर के हिसाब से सीसीई गतिविधियां हो रही हैं। भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा कहते हैं कि इसे लागू तो किया जाना है पर यह अप्रूवल में है। अब सवाल यह उठता है कि आधा सत्र बीत चुका है तो फिर इसे इस साल लागू कैसे किया जाएगा।

मामले की जांच के काम में लगे अधिकारियों पर भी नजर रखने का विशेष प्रबंध करना पड़ेगा। बेहतर तो यह होगा कि धनवान लोगों के केस देखने वाले जांच अधिकारियों पर भ्रष्टाचार विरोधी दस्ते नजर रखें। समयसीमा के भीतर सांसदों-विधायकों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमों की सुनवाई के मामले में कोई भी ढील आरोपितों को मदद पहुंचाने के समान ही होती है। सजा के बाद पूरे जीवन में फिर कभी चुनाव नहीं लड़ने के प्रावधान का भी सवाल सामने है।

2010 के उसके ही एक निर्णय का आपराधिक न्यायिक प्रक्रिया पर कैसा असर पड़ रहा है? सुप्रीम कोर्ट ने मई 2010 में यह कहा था कि अभियुक्त की सहमति के बिना उसका न तो नार्को एनालिसिस टेस्ट हो सकता है और न ही ब्रेन मैपिंग। उस पर झूठ पकड़ने वाली मशीन का भी इस्तेमाल नहीं हो सकता। अब इस पर विचार करने की जरूरत है कि इस आदेश के बाद जांच अधिकारियों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। याद रहे कि 2010 के बाद से जाने-माने कानून-उल्लंघनकर्ता अक्सर ऐसी जांच से साफ इनकार करते आ रहे हैं।

## सत्संग

### ''बुरी नजर'

कोई व्यक्ति हमें ईर्ष्या की नजर से देखता है तो हम कहते हैं, 'बुरी नजर लग जाती है।' क्या वाकई ''बुरी नजर' जैसी कोई चीज होती है? ऐसा सचमुच है तो क्या हमें इसकी चिंता करनी चाहिए और हम इससे अपना बचाव कैसे कर सकते हैं? आप माथे पर लाल रंग से आंख बना लें तो बुरी नजर नहीं लगेगी। यही वजह थी कि भारतीय महिलाएं माथे पर लाल रंग की बड़ी बिंदी लगाती थीं। आपके मन में एक खास तरह की एकाग्रता है, और इसे ऊर्जावान कर दिया जाए, आप अपने विचारों को सशक्त करने में सक्षम हों, तो विचार बेहद शक्तिशाली हो उठते हैं। गौर कीजिए कि जब आप किसी व्यक्ति से नाराज होते हैं, तो आपका मन एक बिंदु पर केंद्रित हो जाता है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के प्रभाव में होता है, तो सबसे पहला प्रभाव उसकी सबसे बाहरी परत में होता है। फिर संभव है कि धीरे-धीरे यह उसके भीतर उतरता जाए और फिर उसे परेशान करे। यह एक बीमारी का रूप भी ले सकता है, इससे मृत्यु तक हो सकती है। मन कई तरह से आश्चर्यजनक काम कर सकता है, इसमें जबरदस्त संभावनाएं छिपी हैं। लेकिन लोग इससे अलग तरीके का काम लेते हैं। ऐसी जो भी चीजें बनाई जाती हैं, जो जीवन के स्तर को आगे बढ़ा सकती हैं, जो जीवन बचा सकती हैं, उसे सुंदर बना सकती हैं, वही चीजें जीवन को बर्बाद भी कर सकती हैं। रोज ऐसा हो रहा है। तो बेहतर होगा कि खुद को ऐसा बनाएं कि कोई भी चीज, या व्यक्ति, आप जैसे भी हैं, या जो भी हैं, उसे प्रभावित न कर पाए। यही चेतना का मतलब है। आप चेतनापूर्ण हो गए तो आप स्वाभाविक तौर पर अपने भीतर असुखद चीजों के बदले सुखद चीजों को ही पसंद करेंगे। एक बार आपने सुखद चीजों को चुन लिया तो फिर आपके भीतर से भी सुखद अहसास ही बाहर आएगा। तब जो भी आपके संपर्क में आएगा, वह सुखद अनुभूति से भर उठेगा। आप अचेतन हैं, सिर्फ तभी अप्रिय चीजों को चुनेंगे। आप सचमुच चेतनापूर्ण हैं, तो मधुरता आपकी स्वाभाविक पंसद होगी। अपने भीतर यह चीज ले आएं और तब किसी चीज को देखें तो सुखद चीजें घटित होंगी। लेकिन आप खुद अपने भीतर अप्रियता से भरे हैं, ईर्ष्या से भरे हैं, और तब किसी चीज को देखेंगे तो बुरी चीजें ही घटित होंगी। तो क्या ऐसी चीजों का वजूद है? बिल्कुल है। लेकिन आपको खुद को इनसे प्रभावित होने देना चाहिए? बिल्कुल नहीं।

# लोगों को अयोध्या जाने से डर लगता था: योगी

**मैं सीएम बनने के बाद 5 बार गया**

कानपुर। अयोध्या में मंगलवार को चुनाव प्रचार का शंखनाद करने के बाद सीएम योगी कानपुर में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंच गए है। तय वक्त से आधे घंटे देर से पहुंचे सीएम योगी का स्वागत दाल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा- ''सपा-बसपा सरकार की गलत नीतियों के चलते कानपुर के उद्योग बंद हुए हैं। लोगों को अयोध्या जाने में डर लगता था। मैं सीएम बनने के बाद 5 बार अयोध्या जा चुका हूं।''पिछली सरकारों पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बनने से पहले यूपी पर भारी कर्ज था। 653 नगर यूनिट्स को ???से जोड़ेंगे।।।

सीएम योगी ने कहा- ''653 नगर इकाईयों को एलईडी से जोड़ेगे। उसकी वजह से बिजली की बचत भी होगी और पैसे भी बचेंगे। उस बचे हुए पैसे को जनता के विकास में खर्च करेंगे। अपराधी जेल में अपने को सुरक्षति महसूस कर रहे हैं। जमानत रद्द कराने के बाद जेल में रहना

चाहते हैं।''

कानपुर में छात्रनेताओं पर बीजेपी की नजर

सीएम योगी की जनसभा से पहले बीजेपी की कानपुर इकाई ने छात्र- नेताओं के साथ बैठक की। दरअसल, बीजेपी मानकर चल रही है कि ऐसे बहुत से छात्र नेता है, जो अभी किसी पार्टी से जुड़े नहीं हैं। इन्हें निकाय चुनावों के दौरान ही पार्टी से जोड़ लिया जाए। बहरहाल, इन सभी को योगी की जनसभा में बुलाया गया है।

बीजेपी का है दबदबा

कानपुर में एक नगर निगम है, जिस पर बीजेपी का ही कब्जा है। वहीं, 2 नगर पालिका में से एक पर बीएसपी और दुसरे पर बीजेपी का कब्जा है। दरअसल, बिठूर चेयरमैन पहले कांग्रेस में थी, लेकिन 2017 विधानसभा चुनाव में पाला बदल कर वह बीजेपी में आ गईं। वहीं, 2 नगर पंचायत में से शिवराजपुर में बीजेपी और बिल्हौर में सपा का कब्ज़ा है। इसलिए यहां बीजेपी का परचम लहराना मुश्किल भी है। 2017 विधानसभा चुनावों का रिजल्ट देखें तो 10 विधानसभा सीटों में से 7 पर बीजेपी का कब्जा है, जबकि 2 सीट सपा के पास और एक सीट कांग्रेस के पास है।

21 लाख से ज्यादा मतदाता चुनेंगे अपना प्रतिनिधि

नगर निगम में 21,17,343 मतदाता है, जबकि घाटमपुर नगर पालिका में 31,967 मतदाता है। वहीं, बिल्हौर में 15767, बिठूर में 8401 और शिवराजपुर में 8473 मतदाता अपने मत का प्रयोग का अपना प्रतिनिधि चुनेंगे।

## एक महीने से हॉस्पिटल में एडमिट लड़की की मौत, बहन ने कहा- हुआ था रेप

आजमगढ़। यहां 13 अक्टूबर को बेहोशी की हालत में एक युवती पड़ी मिली थी। परिजनों का आरोप था कि रेप के बाद उसको सड़क पर फेंक दिया गया। एक महीने से लड़की हॉस्पिटल में एडमिट थी और कोमा में थी। बुधवार को उसकी मौत हो गई। एसपी अजय साहनी ने बताया, '' परिवार ने मिसिंग रिपोर्ट बीस दिन बाद दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया है कि परिवार ने खुद रजनी को घर से भगा दिया था। फि ?लहाल, गैस्टेड ऑफिसर को जांच सौंप दी गई है। मृतका की बहन का कहना है कि 13 अक्टूबर को उसकी बहन के साथ रेप हुआ। वाराणसी बीएचयू से उसे दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन हालात ठीक नहीं होने के कारण उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

## चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों पर अटैक, 18 राउंड फायरिंग के बाद पकड़ा गया आरोपी

झांसी। यूपी के बांदा में कालिंजर थाने के सामने मंगलवार को वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस पर हमला होने का मामला सामने आया है। जिसमें एक सिपाही की हालत गंभीर बनी हुई है और 2 अन्य कांस्टेबलों को गंभीर चोट आई है। मौके पर पहुंची पुलिस हमलावरों पर 18 राउंड गोलियां चलाई और 5 घंटे बाद आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया।

**ये है पूरा मामला।**

मंगलवार को बांदा के कालिंजर थाने में तैनात एसआई आलोक कुमार थाने के सामने ही वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस ने सतना (एमपी) की ओर से आ रही वैन रोकी तो उसमें सवार एक वकील भड़क गया और वैन में रखी कुल्हाड़ी से पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया।

इससे कांस्टेबल नितिन कंचन घायल हो गया। 2 अन्य कांस्टेबलों के भी हाथों में चोटें आईं। इस बीच मौका पाकर वकील नरैनी रोड पर वैन भगा ले गया। एसआई और तीनों कांस्टेबलों ने पुलिस जीप से पीछा किया। लगभग 3 किलोमीटर दूर सौंता गांव मोड़ के पास उसे घेर लिया तो वकील वैन छोड़कर पुरैनिया गांव की तरफ खेत में जा घुसा।

दारोगा और तीनों कांस्टेबलों ने ज्वार के खेत में घुसकर उसे दबोचना चाहा तो कार सवार ने सिपाही नितिन कंचन( 26), ड्राइवर जगदीश यादव, कांस्टेबिल नरेंद्र पटेल के ऊपर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। सिपाही नितिन कंचन गंभीर रूप से घायल हो गया।

5 घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी अरेस्ट

सूचना मिलते ही कालिंजर, गिरवां, नरैनी समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। आरोपी की तलाश में खेतों में काम्बिग करना शुरू कर दिया। इस दौरान कालिंजर थानेदार को 18 राउंड हवाई फायर आरोपी को डराने के लिए करने पड़े। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया।

एसओ केपी सिंह ने कहा, ''आरोपी जगदीश एमपी के लोड़ापुरवा पन्ना का रहने वाला है। उसके कब्जे से साढ़े 4 किलो गांजा बरामद किया गया है।

# ऑटो ड्राइवर की बेटी का हुआ आईईएस में सिलेक्शन

आगरा। यूपीएससी की ओर से ऑर्गनाइज कराई जाने वाली इंडियन इकनॉमिक्स सर्विसेज (आईईएस) में आगरा की मेघा अरोड़ा ने आठवीं रैंक हासिल की है। मेघा के पिता सुशील अरोड़ा साल 1987 से ऑटो चला रहे हैं और मां टीचर हैं। बता दें, मेघा ने मई 2017 में आईईएस का एग्जाम दिया था, जिसका 17 जुलाई को रिजल्ट आया। इसके बाद 23 सितंबर को इंटरव्यू का रिजल्ट आया। मेघा को 11 दिसंबर से ट्रेनिंग के लिए जाना है।

**इंटरमीडिएट में 95 पर्सेंट, फर्सट अटेम्पट में आईईएस में हुआ सिलेक्शन**

मेघा ने बताया, ''इंटर में फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ के साथ 95 पर्सेंट लाई थी। इसके बाद ताऊ जसजीत अरोड़ा ने इकोनॉमिक्स को फॉलो करने को कहा। मैंने इकोनॉमिक्स पढ़ना शुरू किया। मैंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हंस राज कॉलेज से ग्रैजुएशन और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। ताऊ ने ही आईईएस की तैयारी करवाई और पहले अटेम्प्ट में ही आठवी रैंक हासिल की।''

**40 मिनट के इंटरव्यू में नहीं होने दिया होपलेस**

मेघा का कहना है कि किसी भी कॉम्पटीशन का सामना करने के लिए हार्ड वर्किंग और परिवार का सपोर्ट सबसे जरूरी है। मुझे अपने रिटन एग्जाम से ही क्लियर था कि मैं पास हो जाऊंगी। इंटरव्यू में भी सभी लोग अच्छे थे और 40 मिनट के इंटरव्यू में मुझे होपलेस नहीं होने दिया। कई बार मुझे जवाब सोचने का मौका तक मिला।

## हथियारों की अवैध गन फैक्ट्री का पर्दाफाश

औरैया। निकाय चुनाव से पहले जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां, पुलिस ने मंगलवार को अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। जहां से भारी मात्रा में अवैध असलहे और बारूद के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 'झोपड़ी में बनाए जा रहे थे हथियार' ।।। बता दें कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने बिधूना दिबियापुर मार्ग पर ईंट के भट्टे के पास स्थित एक झोपड़ी में छापा मारा।

## साली की शादी में नाराज होकर निकला जीजा, 3 दिन बाद हुआ ये खुलासा

फर्रुखाबाद। यूपी के फर्रुखाबाद में एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। बताया जा रहा है कि 3 दिन पहले मृतक के छोटे भाई की शादी उसकी साली के साथ हुई हैं और युवक उसी रात को गायब हो गया था। वहीं, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, सुसाइड की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। आगे पढ़िए क्या है पूरा मामला।।।

मामला मऊदरवाजा थाना के हैबतपुर गढ़िया इलाके का हैं। मृतक सनी उर्फ शत्रुघ्न सिंह चौहान (26) औरैया जनपद के

बेला बिधूना का निवासी था। लेकिन पिछले 1 साल से सुनहरी मस्जिद मोहल्ले के पास अपनी सास कमला देवी के मकान में रहता था।

मृतक सनी की शादी कमला देवी की बेटी कविता से हुई थी। सनी ड्राइवरी करके अपना गुजारा करता था।

युवक की सास कमला देवी का थाना मऊदरवाजा के ग्राम हैबतपुर गढ़िया स्थित काशीराम कालौनी में आवास आवंटित है। जिसको उन्होने अपनी बेटी और दामाद सनी को रहने के लिए दे दिया था। बताया जा रहा हैं 3 दिन पहले सनी के छोटे भाई की शादी उसके साली के साथ हुई है। शादी की रात किसी बात से नाराज होकर सनी काशीराम कालौनी आवाज चला गया था। इसके बाद से बीते 3 दिनों से उसके ससुराल वाले उसकी तलाश करते रहे थे।

मंगलवार शाम को सनी का साला दिनेश उसे खोजते-खोजते काशीराम कालौनी स्थित आवास पर पहुंचा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद काफी देर तक खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो संदेह होने पर दिनेश ने बालकनी की खिड़की से कमरे के अंदर झांककर देखा तो वहां सनी पंखे से लटका हुआ था।

# बिहार

## महिला थानाध्यक्ष को 9 हजार रिश्वत लेते विजिलेंस की टीम ने पकड़ा

गया। महिला थाना की थानाध्यक्ष मीरा कुमारी को विजिलेंस की टीम ने 9 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। महिला थानाध्यक्ष की गिरफ्तारी उनके कार्यालय कक्ष से ही की गई। शहर के सिविल लाईन थाना अंतर्गत अलीगंज के रहने वाले इश्तियाक अंसारी की शिकायत पर मंगलवार को विजिलेंस ने यह कार्रवाई की। पूछताछ के बाद पटना स्थित निगरानी के कोर्ट में प्रस्तुत करने के लिए टीम महिला थानाध्यक्ष को लेकर रवाना हो गई।विजिलेंस डीएसपी पारसनाथ सिंह ने बताया कि एक शिकायत के आलोक में धावा दल का गठन कर गया में कार्रवाई की गई, इस दौरान महिला थाना की थानाध्यक्ष को उनके ही चैम्बर से रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

**धावा टीम का गठन कर महिला थाने में छापेमारी**

जानकारी लेने के बाद विजिलेंस द्वारा डीएसपी पारसनाथ सिंह के नेतृत्व में धावा दल का गठन किया गया। इस क्रम में महिला थाना के कार्यालय कक्ष में ही थानाध्यक्ष मीरा कुमारी को रिश्वत के नौ हजार रुपए की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। विजिलेंस की टीम महिला थानाध्यक्ष मीरा कुमारी को पटना लेकर रवाना हो गई। इधर विजिलेंस के छापे और महिला थानाध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महकमे में सनसनी फैल गई। सच्चाई जानने को कई पुलिस अधिकारी इसका पता लगाने की जुगत में लगे दिखे।

**थानों में केस के लिए वसूली जाती है मोटी राशि**

थानों में एफआईआर दर्ज करने के लिए भी मोटी रकम की वसूली की जाती है। इसका खुलासा विजिलेंस पटना की गया में हुई कार्रवाई के बाद सामने आया है। बताया जा रहा कि गया शहर के सिविल लाईन थाना अंतर्गत रोड नंबर 14 के रहने वाले इश्तियाक अंसारी ने अन्वेषण ब्यूरो पटना में शिकायत दर्ज कराई थी, कि महिला थाना की थानाध्यक्ष मीरा कुमारी द्वारा एफआईआर दर्ज करने के एवज में नाजायज तौर पर दस हजार रुपए की मांग की जा रही है। इसकी शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद विजिलेंस की टीम ने इसका सत्यापन किया। इस क्रम में पाया गया कि अनुरोध करने के बाद महिला थानाध्यक्ष ने नौ हजार रुपए के बदले केस दर्ज करने की बात कही।

**नवम्बर माह में निगरानी का विभिन्न जिलों में यह दसवां ट्रैप**

निगरानी का नवम्बर माह में यह दसवां ट्रैप है। विभिन्न जिलों से भ्रष्टाचार के दलदल में गोते लगा रहे दस को पकड़ा गया है। निगरानी के अधिकारी की मानें तो इस वर्ष अब तक 70 ट्रैप कराए जा चुके हैं, जिसमें 77 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

## अतिक्रमण हटाने पर लोगों ने किया पथराव, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले के नगर थाना क्षेत्र में बुधवार को अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर लोकल लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस के साथ आई जेसीबी से जैसे ही सड़क किनारे अतिक्रमण कर बनाए गए मकान और दुकानों को तोड़ा जाने लगा लोग उग्र हो गए। गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

पथराव के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। पुलिस के जवानों ने दौड़ा-दौड़ा कर विरोध कर रहे लोगों को पीटा। सड़क पर जो भी दिखा पुलिस ने उसे पीट दिया। पुलिस से बचने के लिए लोग यहां वहां भागते रहे। आधे घंटे से अधिक समय तक अफरा-तफरी मची रही।

# पटना से स्कॉर्पियो बुक की, रास्ते में मालिक की हत्या की और गाड़ी ले भागे बदमाश

आरा/बड़हरा। भोजपुर के बड़हरा थाना के आरा-छपरा फोरलेन पर बबुरा छलका-शिवनचक गांव के समीप मंगलवार की अलसुबह अपराधियों ने एक गाड़ी के ऑनर सह भाजपा कार्यकर्ता समेत दो लोगों को गोली मार दी। फिर सफेद स्कार्पियो लूटकर भाग निकले। कनपट्टी के पास गोली लगने से गाड़ी मालिक की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि, उसके घायल साथी का इलाज बड़हरा पीएचसी में कराया गया।

घटना सुबह करीब 5।30 बजे के आसपास की है। अपराधी छह की संख्या में थे। जिनकी उम्र करीब 20 से 22 साल के बतायी जा रही है। पुलिस मोबाइल सर्विलांस के जरिए अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी हुई है। मृतक सौरभ कुमार (20 वर्ष) मूल रूप से चौरी थाना के धनछुहां गांव निवासी दिलीप राय का पुत्र था। पोस्टमॉर्टम में कनपट्टी के पास से पिस्टल की गोली का एक पिलेट (अग्रभाग) मिला है। पुलिस हमले में घायल मृतक के दोस्त संतोष कुमार से पूछताछ कर क्लू पाने के प्रयास में लगी हुई है। इस दौरान एसपी अवकाश कुमार और सदर एसडीपीओ संजय कुमार ने भी फोरलेन मिक्सिंग प्लांट के पास घटनास्थल पर जाकर छानबीन की।

**बखोरापुर काली मंदिर के दर्शन के बहाने चले थे अलसुबह**

धनछुहां गांव के रिटायर्ड शिक्षक नवल किशोर शर्मा का परिवार आरा शहर के न्यू करमन टोला में रहता है। सौरभ उन्हीं का पौत्र था। उसने स्कार्पियो खरीदी थी, जिसे पटना के दानापुर स्टैंड से किराए में चलाया करता था। सौरभ भाजपा के आरा नगर भारतीय जनता युवा मोर्चा संगठन का सदस्य था। सोमवार की रात बखोरापुर काली मंदिर के लिए अज्ञात युवकों ने स्कार्पियो गाड़ी को भाड़े पर लिया था।

मारे गए सौरभ कुमार के परिजनों समेत दोस्तों को हत्या की जानकारी मिली। जिसके बाद वे बबुरा छलका पर पहुंचे। वहां पर सौरभ की लाश पड़ी थी। कनपट्टी के पास गोली मारी गई थी।

**बहाने से गाड़ी रोकी, फिर चलने के दौरान चलाने लगे पिस्टल से गोली**

निर्धारित समय के अनुसार सुबह करीब साढ़े चार बजे सौरव लेखा नगर, दानापुर निवासी अपने साथी ड्राइवर संतोष कुमार को साथ लेकर चला था। सगुना मोड़ के पास स्थित एक स्कूल के पास 6 युवक पहले से इंतजार कर रहे थे। इस दौरान सभी स्कार्पियो में बैठकर बखोरापुर जाने के लिए चल दिए। रास्ते में कोईलवर-छपरा फोरलेन पर बबुरा छलका-शिवनचक के समीप लघुशंका करने के बहाने गाड़ी रोकवा दिए। इसके बाद स्कार्पियो में सवार अपराधियों ने ड्राइविंग सीट पर बैठे सौरभ की कनपट्टी में सटाकर गोली मार दी। इसके बाद उसके दोस्त के ऊपर भी फायरिंग की। जिसमें वह भी घायल हो गया। फिर दोनों को सड़क पर फेंक दिया स्कार्पियो लूटकर भाग निकले।

**एकौना के पास फेंका मिला खून लगा सीट कवर व तौलिया**

पुलिस मारे गए सौरभ व घायल संतोष के मोबाइल से संदिग्ध नंबर को लेकर उसका सीडीआर निकालने के प्रयास में लगी हुई है। टावर डंप से भी एक्टिव मोबाइल पता कर रहे हैं। एसपी अवकाश कुमार ने बताया कि पुलिस गैंग के उद्भेदन के प्रयास में लगी है। छानबीन के दौरान एकौना-सिरिसिया बांध के पास स्कार्पियो का खून लगा सीट-कवर तौलिया मिला है। जिससे अधिक संभावना जतायी जा रही कि अपराधी इसी रास्ते भागे हैं।

## भाजपा नेता ने राजद पर बोला हमला, कहा- लालू के रहते मर्यादा की बात करना बेमानी

पटना। भाजपा नेता सह बिहार सरकार के लिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने लालू प्रसाद पर बुधवार को बड़ा हमला बोला। मंत्री ने लालू पर तंज कसते हुए कहा कि इनके जैसे लोगों के रहते मर्यादा की राजनीति करनी बेमानी होगी। लालू और उनके कुनबा की ओर से बार-बार राजनीतिक मर्यादा को तोड़ा जाता है। किसी को अपमानित करना और मर्यादा के विपरीत भाषा का प्रयोग करना लालू यादव और उनकी पार्टी राजद की संस्कृति है। 'भूरा चूहा' पर राजनीतिक उबाल।

लालू प्रसाद ने कुछ दिन पहले तटबंध घोटाले पर हमला करते हुए कहा था कि बिहार के तटबंधों को 'भूरे चूहा' खा गए।

लालू के इस बयान के बाद बिहार में राजनीति शुरू हो गयी थी।

भाजपा ने इसपर लालू पर हमला करते हुए कहा था कि लालू को विकास से कोई मतलब नहीं रहे गया है। वो सदैव जात पात की राजनीति करते रहे हैं, आगे भी करते रहेंगे। जदयू इसपर लालू पर तंज कसते हुए कहा कि लालू को विकास से कोई मतलब नहीं है। किसी को अपमानित करना और मर्यादा के विपरीत भाषा का प्रयोग करना लालू यादव और उनकी पार्टी राजद की संस्कृति है। 'भूरा चूहा' पर राजनीतिक उबाल।

लालू प्रसाद ने कुछ दिन पहले तटबंध घोटाले पर हमला करते हुए कहा था कि बिहार के तटबंधों को 'भूरे चूहा' खा गए। लालू के इस बयान के बाद बिहार में राजनीति शुरू हो गयी थी। भाजपा नेता मंगल ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से पूरा माहौल खराब होता है। मालूम हो कि हाल के दिनों में बिहार में बयानबाजी के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति लगातार तेज हो रही है।

## अपराधियों ने रंगदारी के लिए बच्चों को उतारकर स्कूल वैन में लगा दी आग

औरंगाबाद। कुटुंबा प्रखंड में मंगलवार की सुबह अपराधियों ने दिन- दहाड़े एक स्कूल बस को रोककर पहले बच्चों को उतारा। फिर रंगदारी के लिए उसमे आग लगाकर फूंक डाला। इसके बाद अपराधी फायरिंग करते हुए फरार हो गए। विरोध में ग्रामीणों ने सड़क जामकर जमकर बवाल काटा। घटना कुटुंबा थाना क्षेत्र के समदा गांव समीप नटीन दाई मंदिर समीप की है। स्कूल वैन अंबा के संत जोसेफ पब्लिक का है। हालांकि इस घटना में किसी की हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत व्याप्त है। सूचना पाकर सदर एसडीपीओ पीएन साहु, थानाध्यक्ष सहूद अख्तर मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। इस मामले में कुटुंबा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज करायी गई। जिसमें परसा निवासी पुकार मेहता, कटकुर निवासी अरबिंद राम व जपला के धवावार गांव का रहने वाला मुकेश मेहता को नामजद आरोपी बनाया गया है।

**घात लगाकर छिपे थे अपराधी**

अंबा के संत जोसेफ पब्लिक स्कूल का वैन तुरता गांव से बच्चों को उठाकर वापस अंबा लौट रहा था। तभी पहले घात लगाये एक बाइक तीन सवार अपराधियों ने पहले वैन को रूकवाया। फिर पिस्टल लहराते हुए अपराधियों ने वैन चालक मंटू कुमार के पास पहुंच गए और उसके मोबाइल को छीन लिया। इसके बाद अपराधियों ने वैन में सवार बच्चों को नीचे उतार दिया। अंबा-कुटुंबा में अपराधी लेवी कारोबार को फैलाने के लिए फिर से सर उठाने लगे हैं। चार माह पहले अपराधियों ने संत जोसेफ स्कूल निदेशक दिलीप कुमार पर जानलेवा हमला कर गोली मारी थी।

## पटना साइंस कॉलेज ने मनाया 91वां स्थापना दिवस

पटना। पटना साइंस कॉलेज बुधवार को 91 साल का हो गया है। कॉलेज में इस मौके पर समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पटना विवि के पूर्व कुलपति प्रो। केके झा थे। इस मौके पर कुलपति प्रो। रासबिहारी प्रसाद सिंह, प्रति कुलपति प्रो। डॉली सिन्हा भी मौजूद थी। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो। रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि साइंस कॉलेज का गुणगान सभी करते हैं। पटना साइंस कॉलेज का इतिहास हिन्दुस्तान के किसी भी कॉलेज से कम नहीं है। यह जीवंत कॉलेज है। यहां का इतिहास गौरवशाली है। शिक्षा, खासकर साइंस की पढ़ाई के क्षेत्र में कॉलेज का योगदान बेमिसाल है। यहां के छात्र अनुशासित हैं। ऐसी संस्थाएं बहुत ही कम हैं, उन्होंने कहा कि साइंस कॉलेज में शताब्दी समारोह आयोजित करने के बाद भी यहां के छात्रों का न बुला पाने का फैसला भारी मन से लिया था। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में सभी छात्रों को बुलाने का आश्वासन भी उन्होंने दिया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। पटना साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रो। एसके श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्रों के योगदान की चर्चा की खासकर मंतोष कुमार व मो। अमानुल्लाह, जिन्होंने कॉलेज के विकास के लिए काफी फंड दिए। कॉलेज में सोलर पैनल भी लग रहा है। जिम्नाजियम हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल ने कहा कि इस हॉल का जीर्णोद्धार भी पूर्ववर्ती छात्रों ने कराया है। इस मौके पर कॉलेज के जर्नल तथा कॉलेज की वार्षिक पत्रिका नवनिर्माण का विमोचन भी किया गया।छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व कुलपति प्रो। केके झा ने कहा कि 2002 के बाद जिम्नाजियम हॉल में कार्यक्रम हो रहा है। साइंस कॉलेज के इतिहास की चर्चा उन्होंने करते हुए कहा कि साइंस कॉलेज की पढ़ाई पटना कॉलेज से शुरू हुई थी, तब आईएससी की पढ़ाई सिर्फ होती थी वो भी बिना प्रैक्टिकल। बाद में 1928 में कॉलेज का फिजिक्स, कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट बनाया गया। उन्होंने कहा कि उस वक्त पटना साइंस कॉलेज के प्रिंसिपल पूर्व में पटना विवि के कुलपति रह चुके थे।

# चुनाव खर्च निरीक्षक ने किया ईएमएमसी तथा मीडिया सेंटर का निरीक्षण

सूरत। गुजरात विधान सभा आम चुनाव-2017 अंतर्गत सूरत जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त खर्च निरीक्षक तथा ज्वाइंट इनकम टेक्स कमिश्नर विकास जोषी ने बुधवार को नानपुरा बहुमाली भवन परिसर स्थित आयोजन भवन में संचालित इलेक्ट्रनिक मीडिया मानिटरिंग सेंटर(ईएमएमसी) तथा प्रादेशिक माहिती कार्यालय में कार्यरत मीडिया सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही सेंटर में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिया। विकास जोषी ने स्थानीय समाचार चैनलों तथा रेडियों चैनलों द्वारा प्रसारित होने वाले समाचारों की सही मानिटरिंग पर तथा उनके द्वार प्रसारित विज्ञापनों की कीमतों पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर मीडिया नोडल अधिकारी तथा संयुक्त माहिती नियामक महेशचन्द्र कटारा ने ईएमएमसी तथा मीडिया सेंटर द्वारा की जा रही कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

सूरत। सर्दियां शुरु होते ही खानपीने के शौकीन लोग जाएकेदार व्यंजनों के जुगाड़ में लग जाते हैं। भोजन की जायका को बढ़ाने वाली चटनी के लिए हरी लहसून की खरीदारी करती महिला।

सूरत। 9 दिसंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव के मतदान की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पुरी तरह मुस्तैद है।

सूरत। नगर प्राथमिक पाठशाला, सग्रामपुरा के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति ने मिलने से बुधवार को अभिभावकों ने जम कर हंगामा किया।

सूरत। बाल दिवस के उपलक्ष्य में टीएम पटेल इंटरनेशनल, स्कूल में बुधवार को क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## सूरत जिले के 16 विधानसभा सीटों में 6 खर्च निरीक्षकों की नियुक्ति

सूरत। गुजरात विधानसभा आम चुनाव के लिए सूरत जिले के 16 विधानसभा के लिए 6 खर्च निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन सभा विधानसभा सीटों के लिए 9 दिसंबर को चुनाव होंगे। चुनाव में राजनैतिक पार्टियों तथा उमीदवारों द्वारा किए जाने वाले खर्च की देख-रेख के लिए चुनाव आयोग की तरफ से 6 खर्च निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिसमें विधानसभा-156(मांगरोल)तथा विधानसभा-157(मांडवी)के लिए यशवंत सिंह ज्वाइंट कमिश्नर इनकम टेक्स(लखनऊ)को। विधानसभा-161 वराछा रोड तथा विधानसभा 166-कतारगाम के लिए राजनदत्त एडिशनल कमिश्नर, कस्टम(चंडीगढ़)को। विधानसभा-159 सूरत पूर्व, विधानसभा-161वराछा रोड तथा विधानसभा- 166 कतारगाम के लिए राजनदत्त एडिशनल कमिश्नर कस्टम(चंडीगढ़)को। विधानसभा-158, कामरेज, विधानसभा-सूरत उत्तर, तथा विधानसभा-162 करंज के लिए मिस बिनू(आईआरएस) को। विधानसभा-163 लिंबायत, विधानसभा-164, उधना तथा विधानसभा-165, मजूरा के लिए सशांक कुमार(आईआरएस) को। विधानसभा-155, ओलपाड, विधानसभा-167, सूरत पश्चिम तथा विधानसभा-168, चौर्यासी के लिए जी.पी. सिंह(आईआरएस)डिप्टी डायरेक्टर आफ इनकम टेक्स नई दिल्ली को खर्च निरीक्षक के तौर पर नियुक्त किया गया है।

# अदाजन के तबीब के साथ 1.65 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। अदाजन के नवयुग कोलेज स्थित शांती पैलेस सोसायटी निवासी एक तबीब को सोशियल मीडिया के ट्वीटर पर शिकायत करना 1 लाख 65 हजार में पड़ा होने का मामला सामने आया है । पीड़ित तबीब का क्रैडिट कार्ड स्वाइप नही होने के चलते उन्हों ने ट्विटर पर शिकायत की थी । रांदेर पुलिस के अनुसार अदाजन के नवयुग कोलेज स्थित शांती पैलेस सोसायटी निवासी गौरांग भाई दिनेशचंद्र दवे 46 चिकित्सक है । गौराग भाई का एसबीआई बैंक का क्रैडिट कार्ड स्वाइप नही हो रहा था । जिसके चलते तबीब ने सोसियल मीडिया के ट्विटर के माध्यम से एसबीआई के क्रेडिट कार्ड विभाग में शिकायत की थी । इसी बीच पीड़ित के सेल फोन पर अनजान नंबर से फोन आया था । और फोन करने वाले ने पीड़ित को बताया कि तुम्हारे क्रैडिट कार्ड की चीप बिगड़ गई है । जिसके चलते तुम्हे नया कार्ड देना पडेगा । कहकर पीड़ित को विश्वास और भरोसा दिला कर क्रैडिट कार्ड की जानकारी प्राप्त कर ठग ने 1 लाख 65 हजार की ऑनलाइन खरीदी कर ली । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर रांदेर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

# अलथान से 3 लाख की कार चोरी

सूरत। भटार के अलथान रोड स्थित साई कृपा सोसायटी के पास पार्क खड़ी 3 लाख की कीमत की कार अनजान चोर गिरोह चुराकर फरार हो गया होने का मामला सामने आया है ।

खटोदरा पुलिस के अनुसार भटार के अलथान रोड स्थित साई कृपा सोसायटी निवासी आशा बहन हर्षद राय देसाई 66 विधवा है । आशा बहन ने अपनी 3 लाख की कीमत की कार धर के पास पार्क कर छोड़ी थी । रात्रि दौरान अनजान चोर उचकको ने पीड़ित महिला की पार्क कार चुराकर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़िता की शिकायत पर खटोदरा पुलिस ने वाहन चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शरू की है ।

# रांदेर के फ्लैट से मिला युवक का बदबूदार शव

सूरत। रांदेर के पालनलुर जकातनाका स्थित सूर्य वंदना एपरमेन्ट के एक बंध फ्लेट से पुलिस ने युवक का बदबूदार शव बरामत किया । मोत की सच्चाई जानने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकार अस्पताल में भेज दिया । न्यू सिविल अस्पताल के अनुसार रांदेर पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के पालनपुर जकातनाका स्थित सूर्य वंदना एपरमेन्ट की पहली मंजिले के फ़ ?लैट नबर सी/104 का दरवाजा अंदर से बध है । और धर में से अधिक बदबू आरही है । सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर पहुची थी बाद पुलिस ने धर की खिड़की खोलकर देखातो फ़ ?लैट का निवासी धवल वासुदेव भाई शर्मा का शव पड़ा था । पुलिस ने प्रथम मृतक के पडोशी नीलेश मधुकर भाई गरुड़ की शिकायत पर अकस्मात मोत का मामला दर्ज कर मोत की सच्चाई जानने के लिए शव पोस्टमार्टम के लिए न्यू सिविल अस्पताल में लाया गया ।

# इच्छापोर पुलिस ने चोरी के डीजल के साथ एक गिरफ्तार

सूरत। इच्छापोर पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के कवास गाव स्थित रुची टाउनशिप के पास से डीजल भरे टाटा मोबाइल टेम्पो के साथ एक जने को गिरफ्तार किया । पुलिस ने मौके पर से टेम्पो तथा डीजल सहित 1 लाख 2 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है । इच्छापोर पुलिस के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों ओके सूचना मिली थी कि एक टाटा मोबाइल टैम्पो में डीजल लेजाया जारहा है । और यह टेम्पो कवास गाव के रुची टाउनशिप के पास से गुजर ने वाला है । सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर पहुच कर दबिश देकर एक जने को डीजल भरे टेम्पो के साथ गिरफ्तार किया । पुलिस ने टेम्पो चालक की पूछताछ करने पर अपना नाम चोयासी तहसील के पिंजरत गाव स्थित धनशेर महोल्ला निवासी रमेश हरजीवन भाई पटेल बताया है । पुलिस ने मौके पर से टेम्पो व डीजल सहित 1 लाख 2 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है ।

# चर्चगेट स्टेशन को मिला कलात्मक स्वरूप राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को बहुरंगी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुंबई महानगर के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक 'चर्चगेट' आजकल न सिर्फ इस स्टेशन के पास से गुजरने वाले यात्रियों का ध्यान बरबस अपनी तरफ खींच रहा है, बल्कि ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब इत्यादि विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों पर भी बहुत ट्रेंड कर रहा है। इन सब के पीछे प्रमुख कारण है विश्व प्रसिद्ध हस्ती महात्मा गांधी का इस स्टेशन की इमारत की उत्तरी दीवार पर हाल ही में क्राफ्ट किया गया भित्ति चित्र। इस भित्ति चित्र के लिए प्रसिद्ध चित्रकार श्री कुलवंत रॉय द्वारा बनाई गई एक लोकप्रिय तस्वीर का चयन किया गया, जिसका शीर्षक था '1940 के दशक में रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी'। यह चित्र आदित्य आर्य आर्काइव तथा इंडिया फोटो आर्काइव के स्वामित्व में है। चर्चगेट स्टेशन पर महात्मा गांधी का भित्ति चित्र लगाने का मुख्य उद्देश्य चित्रकारी के ज़रिये लोगों से शांति के प्रति सकारात्मक संवाद स्थापित करना है। इस भित्ति चित्र के निर्माण के लिए पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा चर्चगेट स्टेशन भवन के बाहरी सौंदर्यीकरण हेतु एशियन पेंट्स एवं एसटी + आर्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया है कि 81 फीट ऊँचा तथा 54 फीट चौड़ा यह भित्ति चित्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक प्रभाव पैदा कर रहा है तथा साथ ही रेलवे की एक सकारात्मक छवि भी प्रस्तुत कर रहा है। यह तस्वीर रेलवे के ऐतिहासिक महत्त्व को बयान करने के उद्देश्य से स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत को दर्शाती है, जिसमें रेलवे स्टेशनों ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रेल नेटवर्क हमेशा से ही देश के इतिहास का एक अभिन्न अंग रहा है। खास तौर पर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ये रेलवे स्टेशन जन जागरण का एक बहुमूल्य संसाधन थे। अत: यह भित्ति चित्र भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महापुरुष को मुंबई के सबसे पुराने स्टेशनों में से एक स्टेशन से जोड़कर इनकी ऐतिहासिक गरिमा को एक सूत्र में पिरोयेगा। इसके ज़रिये यात्रियों को एक अनूठी रचना, रंगीन चित्रकारी तथा भित्तिचित्र का मनोरम दृश्य प्राप्त होगा। यह चित्रकारी लोगों को रुककर ध्यान से देखने के लिए विवश करेगी।

## पेरोल जम्प कर फरार आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस)। एसओजी पुलिस ने शहर के साबरमती जेल से पेरोल पर होने के बाद फरार हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वर्ष 2014 में यह शख्स चरस की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था। गुजरात विधानसभा के अगले महीने होनेवाले चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग ने साबरमती सेंट्रल जेल से पेरोल और अंतरिम जमानत पर रिहा होने के बाद से फरार कैदियों का ब्यौरा मांगा है। इस बीच एसओजी पुलिस ने पेरोल पर मुक्त होने के बाद फरार एक कैदी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अहमदाबाद के दरियापुर क्षेत्र निवासी फारूक रसूलभाई कुरैशी नामक इस शख्स को वर्ष 2014 में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चरस तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर साबरमती जेल भेज दिया था।

# आइसक्रीम का ठेला लगाने वाले मनीष शाह ने की 500 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी

अहमदाबाद, (ईएमएस)। मनीष शाह कभी आइसक्रीम का ठेला लगाता था। उसने आइसक्रीम बेचते बेचते शगुन ग्रुप ऑफ कंपनी बनाई। धोखाधड़ी का नया धंधा शुरु कर दिया। मनीष शाह ने शगुन ग्रुप आप कंपनी में कई और कंपनियां बनाई 10 वर्ग फुट के हिसाब से प्लाट में निवेश करने और 30 माह ३ गुना कीमत में निवेश की राशि वापस करने का आश्वासन देकर, उसने 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की थी। मनीष शाह के पास वर्तमान में छह शॉपिंग मॉल, 32 आलीशान कारे और आलीशान जिंदगी जीने के लिए वह सब कुछ है। जो लोगों की सबसे बड़ी हसरत होती हैं। गोधरा के राजेंद्र परमार की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की थी। 2 साल की जांच के बाद मंगलवार को जांच दल ने 32 लोगों के अहमदाबाद आकर बयान लिए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मनीष शाह साबरकांठा जिले के हिम्मत नगर का रहने वाला है। उसने बड़ी हिम्मत के साथ अरबों रुपए की ठगी को न केवल अंजाम दिया। बल्कि अभी भी ऐसो आराम की जिंदगी जी रहा है। मनीष शाह ने शगुन ग्रुप आप कंपनी में कई और कंपनियां बनाई 10 वर्ग फुट के हिसाब से प्लाट में निवेश करने और 30 माह ३ गुना कीमत में निवेश की राशि वापस करने का आश्वासन देकर, उसने 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की थी। मनीष शाह के पास वर्तमान में छह शॉपिंग मॉल, 32 आलीशान कारे और आलीशान जिंदगी जीने के लिए वह सब कुछ है। जो लोगों की सबसे बड़ी हसरत होती हैं। गोधरा के राजेंद्र परमार की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की थी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अब मनीषा शाह की तलाश कर रही हैं। पुलिस कि सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मनीष शाह, उसकी पत्नी गीता, योगेंद्र रामी तथा शैलेश मकवाना के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है। मनीष शाह साबरकांठा जिले के हिम्मत नगर का रहने वाला है। उसने बड़ी हिम्मत के साथ अरबों रुपए की ठगी को न केवल अंजाम दिया।

# पाटीदार आज भी हार्दिक पटेल के साथ : जिग्नेश मेवाणी

अहमदाबाद (ईएमएस)। दलित नेता जिग्नेश मेवाणी ने कथित सीडी के मामले में हार्दिक पटेल का समर्थन करते हुए दावा किया है कि आज भी पाटीदार हार्दिक पटेल के साथ खड़े हैं। हार्दिक के समर्थन में जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि सेक्स सीडी जारी होने का आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन इससे जितना हंगामा होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। पाटीदार समाज आज भी हार्दिक पटेल के समर्थन में हैं और मेरा मानना है कि वीडियो में दिखनेवाला युवक हार्दिक पटेल नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का निजी जीवन होता है और यदि कोई व्यक्ति सहमति से कोई फैसला करते हैं तो उसे लेकर इतना हंगामा नहीं करना चाहिए। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि कमरे में कैमरा लगाकर किसी भी सीडी बनाई जा सकती है। लोग अगर किसी के बेडरूम में घुसकर कैमरा लगाएंगे तो न केवल जिग्नेश मेवाणी बल्कि किसी भी व्यक्ति की सीडी बनाई जा सकती है। सबसे बड़ी चिंता बात यह है कि सीडी में जो महिला दिखाई दे रही है उसकी इज्जत क्या। भाजपा पर प्रहार करते हुए जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि राजनीति गंदी होती जा रही है। यदि आपको बात करनी है तो रोटी, कपड़ा और मकान पर बात करो, किसी की निजी जिंदकी पर नहीं। पीएम मोदी के गुजरात मोडल का छलावा बताते हुए जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, महंगाई दिन ब दिन बढ़ती जा रही है।

## प.रे. ने केवल 7 दिनों में नये पैदल ऊपरी पुल के निर्माण कॉन्ट्रैक्ट सौंपा

अहमदाबाद (ईएमएस)। अपने यात्रियों को हरसम्भव बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के क्रम में पश्चिम रेलवे द्वारा भायंदर स्टेशन पर एक नये पैदल ऊपरी पुल के निर्माण हेतु केवल 7 दिनों के रिकॉर्ड समय में निविदा को अंतिम रूप देकर कॉन्ट्रैक्ट सौंपने की अनूठी पहल की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए भायंदर स्टेशन की उत्तरी दिशा में पुराने 2.5 मीटर चौड़े पैदल ऊपरी पुल के स्थान पर 10 मीटर चौड़े नये पैदल ऊपरी पुल के निर्माण का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस पैदल ऊपरी पुल को सभी प्लेटफॉर्मों को पश्चिमी दिशा के परिसंचरण क्षेत्र के साथ जोड़े जाने की योजना है। लगभग 5.46 करोड़ रु. की लागत वाले उपरोक्त कार्य हेतु 7 नवम्बर, 2017 को निविदाएँ खोली गई थीं। पश्चिम रेलवे द्वारा केवल 7 दिनों में ही इसे अंतिम रूप दिया गया तथा इस कार्य को निष्पादित करने हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई के मेसर्स गिरिराज सिविल डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड को 14 नवम्बर, 2017 स्वीकृति पत्र प्रदान कर दिया गया।

# गुजरात में विकास सच में पागल हो गया: चिदंबरम

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा है कि उन्हें जीवन में एक ही बात का पछतावा है कि वह 'पूर्ण बहुमत' वाली सरकार में वित्त मंत्री नहीं रहे। उन्होंने आर्थिक नीतियों के लिए मोदी सरकार को निशाने पर लिया। चिदंबरम ने कहा कि गुजरात में विकास वास्तव में 'पागल' हो गया है। उन्होंने राज्य में 'असमान' विकास के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की। पूर्व वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार की बुलेट ट्रेन परियोजना को भी आड़े हाथों लिया। कांग्रेस पार्टी द्वारा गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कारोबारियों से कहा, मेरे जीवन में एक ही पछतावा है कि मैं कभी भी पूर्ण बहुमत वाली सरकार में वित्त मंत्री नहीं रहा। भाजपा नीत राजग सरकार को लोकसभा में मिले पूर्ण बहुमत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के जनमत के साथ कुछ भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इस तरह के बहुमत के साथ हम फाइनेंस सेक्टर में पूरी तरह सुधार कर सकते थे। हम करीब-करीब आदर्श रूप में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पारित कर सकते थे। इस तरह के बहुमत के साथ कोई भी कानून बदला जा सकता था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com